



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY,

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 85]  
No. 85]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 15, 1989/चैत्र 25, 1911  
NEW DELHI, MONDAY, MAY 15, 1989/CHAITRA 25, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

राष्ट्रिय मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 15 मई, 1989

सांख्यिक सूचना सं. 123 आई.टी.सी (पी.एन.)/88-91

विषय :- निर्यात के लिए आटो-टायरों के उत्पादन के लिए पुराने बिल्डिंग  
ड्रमों और सम्पीडकों का आयात

फा. सं. आई पी.सी./4/5/(312)/85-88-खण्ड :- आयात-निर्यात  
सीति 1988-91 के पैराग्राफ 30 (3) में निर्दिष्ट उपबन्ध को और ध्यान  
दिया जाता है जिसमें यह उल्लेख है कि पुरानी दशा के पूंजीगत माल  
के आयात के लिए वास्तविक उपयोगिताओं के आभेदन-पत्रों पर पाक्षता  
के आधार पर विचार किया जाएगा।

2. आटो-टायरों के निर्यात को बढ़ाया देने के लिए पुराने बिल्डिंग  
ड्रमों और सम्पीडकों के आयात की अनुमति के लिए टायर निर्माताओं  
के आभेदनों पर विचार किया गया है और यह निर्णय किया गया है कि  
आटो-टायरों के निर्यात के लिए पुराने बिल्डिंग ड्रमों और सम्पीडकों के  
आयात की अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जाए :-

- (1) आयातित बिल्डिंग ड्रमों और सम्पीडकों के लागत बीमा भाड़ा  
मूल्य के 20 गुणा की सीमा तक का निर्यात आधार, आयात  
की तिथि से 5 वर्ष की अवधि के भीतर पूर्ण करने के लिए  
लगाया जाए। यहाँ निर्यात आधार पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान  
आयातक द्वारा किए गए निर्यात के औसत स्तर के अनुरूप  
होना।

- (2) विभाजन प्रक्रिया पर बल नहीं दिया जाएगा।

- (3) अन्य सभी शर्तों पर, जिनमें आयात-निर्यात सीति और  
प्रक्रिया पुस्तक के अनुसार आयात के देश के मनी इंजीनियर/  
इंजीनियरों की संस्था आदि द्वारा प्रमाणन भी शामिल है, के  
लिए बल दिया जाएगा।

- (4) आयातक को संलग्न प्रत्येक में बैंक गारंटी द्वारा नगर्न एक  
बाँध निष्पादित करना होगा। यह बाँध आयात मशीनरी के मूल्य  
के 20 गुणा की राशि के बराबर होगा जबकि बैंक गारंटी  
बाँध के मूल्य के 2% के बराबर होगा। बैंक गारंटी बाँध  
के मुक्त होने तक ही प्रभावी होगी।

- (5) आयात करने वाली मिन, मशीनरी आयात करने की तिथि  
से अधिकतम छः महीने की अवधि के भीतर, उत्पादन आरंभ  
कर देगी।

- (6) उत्पादन किए गए और निर्यात किए जाने के लिए प्रस्तावित  
आटो-टायरों की मात्रा और किस्म का विवरण देने हुए आयात  
करने वाली फर्म प्रत्येक छः माह के आरम्भ में एक अग्रिम  
उत्पादन योजना महुनिदेशालय तकनीकी विकास (डी.जी.  
टी.डी.) को भेजेगी। पहली अग्रिम उत्पादन योजना आया-  
तित मशीनरी को लगाने की तिथि से एक माह के भीतर  
दे दी जाएगी।

- (7) निर्यात आधार के मोनोडॉरिंग और उसे पूरा करने के प्रयोजन  
के लिए, वर्ष अग्रे-वर्ष के निर्यात वर्ष होगा।

- (8) आयात करने वाली फर्म प्रत्येक छः मास में महानिदेशालय तकनीकी विकास को उत्साहन एवं नियति का पूरा विवरण भी देगी। उत्साहन योजना में किसी भी तरह के परिवर्तन की रिपोर्ट महानिदेशक तकनीकी विकास को कार्यों सहित भेजी जाएगी। फर्म प्रक्रिया पुस्तक 1988-89 के परिशिष्ट 1-अ के उपाध्याय-1 में दिए गए प्रवर्त के अनुसार नियति का बैंक प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करेगी।
- (9) प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के 30 दिनों के भीतर फर्म सम्बन्धित क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी जिसमें सनदी लेखापाल द्वारा प्रमाणित, पाँच वर्ष के दौरान उत्साहन नियति, नियति का औसत मूल्य दिया जाएगा। और रिपोर्ट की एक प्रति महानिदेशालय तकनीकी विकास को भी भेजेगी। महानिदेशालय तकनीकी विकास वार्षिक रिपोर्ट को यह जोड़ करेगा कि वार्षिक प्रगति उत्साहन योजना छमाही रिपोर्ट और आयोजित मशीनरी का अध्यापक के धनुष है। फिर महानिदेशालय तकनीकी विकास आयोजक फर्म द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट पर पुष्टांकन करके क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारियों को भेजेगा। महानिदेशालय तकनीकी विकास से रिपोर्ट प्राप्त होने पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी वर्ष के नियति आधार लेखों का हिसाब लगाएगा और उस पर प्राप्ति कार्रवाई करेगा।
- (10) यह नियति भारत के बाहर किसी भी स्थान को किया जाएगा (नेपाल या भूतानातिस्तान में किसी भी स्थान को छोड़कर, मुक्त विदेशी मुद्रा में नहीं चुकाया गया और भूतान को)।
- (11) लाइसेंस के लिए आवेदन-पत्र प्रक्रिया पुस्तक, 1988-91 के पैरा 164 में दिए गए उपाध्यायों के अनुसार दिए जाएंगे और सम्बन्धित पूज्यत मास समिति के अनुमोदन से लाइसेंस जारी किया जाएगा।

3. माल की निर्याती के समय आयातकर्ता सहायक सीमाशुल्क समाहर्ता को संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात स्तर के किसी अधिकारी से इस सम्बन्ध में जारी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि उसने इस सार्वजनिक सूचना के उपाध्याय "क" के अनुसार क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बन्धन भर कर क्षेत्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकारी को यह वचन देते हुए प्रस्तुत किया है कि वह आयातित मशीनरी की निर्याती की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के अन्तर्गत आयात के लिए प्रस्तावित बिलियन इन्वॉयस और सम्पत्तियों की लागत-बीमा-भाड़ा कीमत के 20 गुणा की सीमा तक आटो-टायरों का निर्यात करेगा।

ह./-

लेजेन्ड खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 123 आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 15-5-89 का उपाध्याय

आटो-टायरों के निर्यात उत्पादन के लिए पुराने इन्वॉयस और सम्पत्तियों के आयात करने के लिए निष्पादित किए जाने वाला क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र का प्रपत्र।

(केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली में 15 रुपये मूल्य के या संबंधित राज्य के स्टाम्प कलक्टर द्वारा निर्धारित मूल्य के न्यायिकेतर स्टाम्प कागज पर आयातक और प्रत्याभूतिदाता बैंक जो एक राष्ट्रीय-होन बैंक हो, द्वारा निष्पादित किया जाएगा।

निम्नलिखित की उपस्थिति में सबको यह विहित हो कि मैं/हम—  
(नीचे दिए गए अनुदेशानुसार आयातक/आयातक फर्म/कम्पनी का पूरा नाम एवं पता) (जिस इसके आगे "आयातक"/आयातको" कहा गया है) इस अभिव्यक्ति में जब तक संदर्भ से निकाला न जाए या उससे असंगत न हो, उसके वारिस, उत्तराधिकारी और उसके उत्तराधिकारी, हितधारक/प्रशासक और प्रतिनिधि शामिल समझे जाएंगे) \*और.....)

जिस बैंक से प्रत्याभूति बंधपत्र निष्पादित किया जा रहा है उग आच के कार्यालय के पूर्ण पते सहित प्रत्याभूतिदाता बैंक का पूरा नाम ( ) (जिसे इसके बाद "प्रत्याभूतिदाता" कहा गया है, इस अभिव्यक्ति में, जब तक संदर्भ से निकाला न जाए या संदर्भ से असंगत न हो, उसके उत्तराधिकारी प्रशासक और अधिन्यासी शामिल समझे जाएंगे) भारत के राष्ट्रपति और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात, वाणिज्य मंत्रालय (जिसे आगे "सरकार" कहा गया है, इस अभिव्यक्ति में जब तक संदर्भ से निकाला न जाए या संदर्भ से असंगत न हो, कार्यालय में उसके उत्तराधिकारी प्रतिनिधि और अधिन्यासी शामिल समझे जाएंगे) के प्रति—  
(—) रुपये, शब्दों में) की अदायगी करने के लिए सरकार द्वारा मांग करने पर किसी भी प्रकार की आपत्ति किए बिना स्वयं को दायी और आबद्ध करते हैं, जिसके लिए मैं/हम स्वयं और मेरे/हमारे सम्बन्धित उत्तराधिकारी, हितधारक (जो भी हों) और अधिन्यासी भी आबद्ध होंगे।

वर्ष 198—के ————दिन को हस्ताक्षरित।

जबकि सरकार ने आयात लाइसेंस सं. ————निर्माण—  
के मद्दे (मद का विवरण) के आयात के लिए अनुमति दे दी है।

\*नीचे टिप्पणी 2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार भरा जाता है।

2. भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय आयात व्यापार नियंत्रण सार्वजनिक सूचना सं. 123 आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 15-5-89 के तहत (जिसे इसके आगे सार्वजनिक सूचना कहा गया है) में निर्धारित किए गए के अनुसार पुराने इन्वॉयस और सम्पत्तियों के आयात की व्यवस्था आयातक की इस वचनबद्धता पर करता है कि वे माल के आयात की तारीख से 5 वर्षों की अवधि के भीतर आयात किए जाने वाले संयंत्र और उपकरण के लागत बीमा-भाड़ा के 20 गुणा तक आटो-टायरों का निर्यात करेंगे।

3. और जबकि उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना में अन्य बातों के साथ साथ यह उल्लिखित है कि मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात उक्त सार्वजनिक सूचना में निर्धारित नियति आधार को पूरा करने के लिए आयातक को बाध्य करते हुए इस सम्बन्ध में एक बन्धपत्र बिलिन्डि करेगा जो आयातक द्वारा निष्पादित किया जाएगा।

4. और जबकि आयातक ऊपर उल्लिखित निर्यात आधार का पूरा करने के लिए सहमत है और वाणिज्य मंत्रालय की उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना की शर्तों के अनुसार आयात की अनुज्ञा के बदले में क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र प्रस्तुत करने के लिए सहमत हो गया है।

5. और यह कि प्रत्याभूतिदाता ने सरकार द्वारा उपरोक्त अनुज्ञा जारी करने के लिए सहमत होने के फलस्वरूप सरकार द्वारा मांग करने पर प्रत्याभूति की रकम का संदाय करने का करार किया है और वचन दिया है।

6. अब यह निम्नलिखित अनुसार अधिभाषी होगा —

आयातक एतद्द्वारा सरकार के साथ निम्नलिखित अनुसार वचनबद्ध होगा :—

(क) आयातक उपर्युक्त अनुज्ञा की शर्तों के साथ-साथ उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना में बिलिन्डि अन्य सभी शर्तों का पालन करेगा और उन शर्तों का भी पालन करेगा जो माल की निर्याती की अनुमति देते समय सीमाशुल्क समाहर्ता और मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात द्वारा निर्धारित की जाए और मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात की पूर्ण संतुष्टि के अनुसार हो।

(ख) यदि आयातक उपर्युक्त अधिसूचना की शर्तों के अनुसार और सरकार की पूर्ण संतुष्टि के अनुसार निर्यात आधार पूरा करने में असमर्थ रहता है तो बैंक प्रत्याभूति पूर्ण या कमी के समतुल्य जम्मा की जा सकती है और ऐसी संतुष्टि के लिए सरकार का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

(ग) यह कि आयातकर्ता इसके लिए भी सहमत है और वचन देता है कि यदि ऊपर दिए गए के अनुसार निर्यात आभार पूरा करने में आयातकर्ता को बाधा पाया गया तो आयातकर्ता के विरुद्ध आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (यथा-संशोधित) और सरकार द्वारा उक्त आयात के संबंध में बनाई गयी अन्य प्रविष्टियों और नियमों के अधीन सरकार को प्राप्त अधिकारों के आधार पर आयातित माल के जब्तकरण के लिए सभी लागू विधिक कार्यवाही की जाएगी। आयातकर्ता इसके लिए भी सहमत है कि जब्तकरण कार्यवाही सरकार द्वारा निर्यात आभार अर्थात् पूरी होने के पूर्व या पञ्चाश्व किसी भी समय प्रारम्भ की जा सकती है।

(घ) यह कि आयातकर्ता आगे इसमें सहमत है और वचन देता है कि आयातकर्ता के विरुद्ध सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 और संगत वित्त अधिनियम और अद्यतन यथासंशोधित सीमाशुल्क टेरिफ अधिनियम, 1975 के प्रावधानों के अन्तर्गत सीमाशुल्क या अन्य शुल्क, डण्ड और उस पर ब्याज आदि की वसूली के लिए कार्यवाही की जा सकती है।

(ङ) यह कि आयातकर्ता आयात को शामिल करने वाली सभी शर्तों और भारत सरकार का निर्यात मन्त्रालय की सार्वजनिक सूचना ग. 123 आई टी सी (पी एन)/88-91 दिनांक 15-5-89 में विनिर्दिष्ट उपबन्धों गठित अन्य उपबन्धों का निष्ठापूर्वक पालन करेगा।

7. प्रत्याभूति दाता बैंक सरकार के साथ निम्नलिखित अनुसार प्रतिज्ञा करता है :-

(1) प्रत्याभूतिदाता बैंक अधिष्यक्त रूप में और अप्रतिसंहरणीय रूप में यह वचन देता है और प्रत्याभूति देता है कि यदि आयातकर्ता उक्त सार्वजनिक सूचना में निर्धारित शर्तों और सरकार की पूर्ण संतुष्टि के अनुरूप आयातों को शासित करने वाली शर्तों (इस संबंध में सरकार का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा) सहित निर्यात आभारों को पूर्णतः या भागशः पूरी करने में असफल रहता है या लाइसेंस की शर्तों और यथासंशोधित आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 या उसके अधीन विनिर्मित किसी अन्य नियम या अपेक्षित जानकारी प्रस्तुत करने में असफल रहता है या अनुज्ञप्ति आदि में विनिर्दिष्ट निबंधनों के अधीन आयातक की ओर से कोई अन्य वृत्ति होती है जिससे उक्त राशि के बारे में किसी भी कारणवश सरकार द्वारा पूर्णतः या भागशः मांग की जाये, सरकार द्वारा मांग की जाने पर, हम प्रत्याभूतिदाता बैंक किसी आपत्ति के बिना और आयातक को हवाना किए बिना, आयातकर्ता से सरकार द्वारा इस निमित्त मांगी गई कोई राशि सरकार को या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को सदातः करेंगे और अधिकतम \_\_\_\_\_ रु. तक के सदाय की प्रत्याभूति की अतिपूर्ति करेंगे।

(2) यह कि किसी ऐसे अधिकार के होते हुए भी जो सरकार को आयातकर्ता के विरुद्ध प्रत्यक्ष रूप में प्राप्त हो या आयातकर्ता द्वारा किसी भी रूप में खड़े किए गए किसी विवाद के होते हुए भी प्रत्याभूतिदाता बैंक से सरकार की लिखित मांग में सरकार द्वारा आवश्यक व्योरे का यह कथन होगा कि इसमें ऊपर विनिर्दिष्ट निबंधनों सहित पूर्वोक्त अनुज्ञप्ति आदि के निबंधनों और शर्तों के अधीन प्रत्याभूतिदाता बैंक से संदाय की मांग की जाती है और सरकार को ऐसी पूर्वोक्त मांग प्रत्याभूतिदाता बैंक के लिए अंतिम और उस पर बाध्यकार होगी।

(3) यह कि प्रत्याभूतिदाता बैंक सरकार और आयातकर्ता के बीच किसी कारण या परिवर्तन से या आयातकर्ता को उसकी सहमति या ज्ञान के बिना या सरकार की ओर से किसी

उदारता से या आयातकर्ता के निर्यात आभार में किसी परिवर्तन या संदाय समय पालन या अन्यथा के संबंध में किसी प्रविष्टि से प्रत्याभूतिदाता बैंक इस घनवद्धता और प्रत्याभूति से उद्बोधित या निर्मुक्त नहीं होगा।

(4) यह कि प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा दी गई यह प्रत्याभूति तब तक पूर्ण रूप से प्रभावी और विधिमान्य रहेगी जब तक ऊपर यथाविनिर्दिष्ट निबंधनों सहित पूर्वोक्त लाइसेंस के अधीन सभी बाध्यताओं को सरकार की पूर्ण संतुष्टि के अनुसार पूरा नहीं कर दिया जाता ऐसा समाधान अंतिम होगा और इसके लिए आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता तब तक सहमत और बाध्यकार हैं जब तक कि सरकार द्वारा प्रत्याभूतिदाता बैंक को इस संतुष्टि के बारे में सूचना न दे दी जाए।

8. आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा संयुक्त और सूचक यह घोषित किया जाता है :-

(1) यह कि आयातकर्ता आयात और निर्यात नीति प्रक्रिया पुस्तिका, उक्त लाइसेंस के अन्तर्गत मशीनरी के आयात की विधि तथा जिस विधि तक निर्यात आधार की पूर्ति की जाती है उस विधि को लागू और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 और उसके अधीन बनाए गए उन नियमों के सभी बाह्य उपबन्धों का पालन करने के लिए सहमत है तथा वचन देता है जो व्यतिरिक्त होने की दशा में प्रवृत्त किए जा सकेंगे जैसा कि सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाए और यह विनिश्चित आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता के लिए अंतिम और बाध्यकार होगा।

(2) यह कि आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता द्वारा उपरोक्त अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र अप्रतिहृत अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र होगा और आयातकर्ता या प्रत्याभूतिदाता बैंक के विधान में किसी परिवर्तन से उन्मोचित नहीं होगा। इन अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र के माध्यम से आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा यह भी करार किया जाता है कि इन अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र के अधीन सरकार को प्रत्याभूति बैंक द्वारा सदाय इस निमित्त सरकार से लिखित मांग प्राप्त होने पर सुरक्षित किया जाएगा।

(3) यह अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र उपरोक्त आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा ऐसे प्रयोजन के लिए निष्काशित किया गया है जिसमें लोकाहित निहित है।

(4) यह कि प्रत्याभूतिदाता बैंक से उपरोक्त अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र के अधीन सरकार द्वारा मांगी गई राशि का सदाय आयातक/आयातकों को उसके/उनके विरुद्ध किसी भी अन्य कार्रवाई के उत्तरदायित्व से उसे/उन्हें मूल अथवा अन्युक्त नहीं करेगा जिसमें आयातित सामग्री की जब्ती के लिए विधिक कार्यवाही प्रारम्भ करना, आगे लाइसेंस देने में इंकार करना और अन्य बाधित्व और शस्तियां जो आ. और नि. (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 (अद्यतन) के उपबन्धों के अधीन और आयात व्यापार नियंत्रण विनियमन और सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 के उपबन्धों के अधीन सरकार द्वारा विनिश्चित की जाएं।

(5) अब ऊपर लिखित अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र की शर्त यह है कि यदि इसके अन्तर्गत आयातक और प्रत्याभूतिदाता बैंक द्वारा पूरी की जाने वाली सभी बाध्यताएं ऊपर यथाविनिर्दिष्ट सरकार की पूर्ण और अंतिम संतुष्टि के अनुसार पूरी हो जाती है, तो ऊपर लिखित अतिपूर्ति सह-प्रत्याभूति बंधपत्र अमान्य अप्रभावी हो जाएगा अन्यथा यह पूर्णरूप से प्रवृत्त और विधिमान्य रहेगा।

(6) तथापि शर्त यह होगी कि इससे पहले हममें निहित किसी बात के होने हुए भी, एतद्द्वारा यह करार किया जाता है और यह घोषित किया जाता है कि उक्त अतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति

बंधपत्र कक्षित आयातित माल के आयात की तिथि से 6 (छ) वर्ष की अवधि के लिए पूर्णतः प्रवृत्त रहूंगा और यदि 6 वर्ष की अवधि अवधि में सरकार के पूर्ण और अंतिम समाधानप्रव रूप में आयातक/आयातकों की सभी बाध्यताओं का उन्मोचन नहीं होता है, तो आयातक और प्रत्याभूतिदाता को प्राप्ति उतनी अवधि के लिए एक मया क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र निष्पादित करना होगा जितनी के लिए, सरकार द्वारा अपेक्षा की जाए।

9 इससे साक्ष्यस्वरूप आज ऊपर उल्लिखित-----दिन, गहाना, वर्ष को उपर्युक्त पक्षकार आयातकर्ता और प्रत्याभूतिदाता बैंक ने सम्मिलित किया और प्रत्याभूतिदाता बैंक ने निम्नलिखित माक्षियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए, मुद्रा लगाई और परिधान किया।

साक्षी\*

- |          |   |
|----------|---|
| 1. ----- | 1. -----  |
| 2. ----- | (आयातकर्ता/आयातकर्ता फर्म का पूरा और विस्तृत वर्णन) (प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट/नोटरी पब्लिक के समक्ष अधिप्रमाणित/प्रमाणित किया जाएगा)     |
| 1. ----- | 2. -----  |
| 2. ----- | (प्रत्याभूतिदाता बैंक का पूरा एवं विस्तृत वर्णन प्रत्याभूतिदाता बैंक के लिए और की और से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बैंक की मुद्रा के साथ) |

\*साक्षियों को अपनी वृत्ति और पूरा पता लिखना चाहिए।

टिप्पणी-1

- आयातकर्ता और बैंक के लिए
1. यदि आयातकर्ता एकमात्र स्वत्वधारी फर्म है तो यह क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र उक्त एक मात्र स्वत्वधारी फर्म के एकमात्र स्वत्वधारी और राष्ट्रीयकृत बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निष्पादित किया जाएगा और उसमें उनके स्थायी निवास का पता दिया जाएगा और बैंक की सील लगाई जाएगी।
  2. यदि आयातकर्ता एक भागीदारी फर्म है तो वह क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र, भागीदारी विवेक में विनिर्दिष्ट भागीदारी या प्रबंधक भागीदारों के माध्यम से भागीदारी फर्म और उपर्युक्त बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के नाम से निष्पादित किया जाएगा।
  3. यदि आयातकर्ता एक लिमिटेड कंपनी है तो क्षतिपूर्ति-सह-प्रत्याभूति बंधपत्र कंपनी के कार्यकारी निदेशक या प्रबंध निदेशक और ऊपर नोट 1 में विनिर्दिष्ट बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निष्पादित किया जाएगा और उस पर कंपनी को मोहर लगायी जाएगी।

टिप्पणी-2 यदि आयातकर्ता एक निगमित निकाय है तो धारम्भ के पैरा-ग्राफ में आने वाले "उनके वारिस, उत्तराधिकारी, उसके उत्तराधिकारी/हितधिकारी/प्रशासक और प्रतिनिधि" को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

(उनके वारिस, उत्तराधिकारी, हितधिकार में उनके उत्तराधिकारी, प्रशासक और प्रतिनिधि।)

## MINISTRY OF COMMERCE

### IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 15th May, 1989

PUBLIC NOTICE NO. 123-ITC(PN)|88—91—

Subject : Import of second-hand building drums and presses for production of auto-tyres for exports.

F. No. IPC|4|5(342)|85-86 Pt.—Attention is invited to the provision contained in Paragraph 30(3) of the Import & Export Policy, 1988—91, which provides that applications from Actual Users for import of capital goods in second-hand condition will be considered on merits.

2. The request from tyre manufacturers for allowing import of second-hand building drums and presses for boosting exports of auto tyres has been considered and it has been decided that import of second-hand building drums and presses for exports of auto-tyres may be allowed subject to the following conditions :—

- (i) An export obligation to the extent of 20 times of the c.i.f. value of imported building drums and presses will be imposed for fulfilment over a period of five years from the date of import. This export obligation will be over and above the average level of exports made by the importer during the preceding three years.
- (ii) Advertisement procedure will not be insisted upon.
- (iii) All other requirements including certification from Chartered Engineer/Institution of Engineers of the Country of import etc., as per Import and Export Policy and Hand Book of Procedures will be insisted upon.
- (iv) Importer will be required to execute a bond backed by bank guarantee as in the annexed form. The bond will be for an amount equal to 20 times of the value of imported machinery while the bank guarantee should be equal to 2 per cent of the value of the bond. The bank guarantee should be effective till the bond is discharged.
- (v) The importing mill shall within a maximum period of six months from the date of importation of the machinery, commence production.
- (vi) The importing firm shall be given an advance plan of production, giving details of quantity and type of auto tyres proposed to be produced and exported to the Directorate General of Technical Development (D.G.T.D.) at the beginning of each half year. First advance plan will be given within one month from the date of installation of the imported machinery.
- (vii) For the purpose of monitoring and fulfilment of export obligation, year will be financial year from April—March.

- (viii) The importing firm shall also give full details of production and exports every six months to the DGTD. Any deviation in the plan of production will have to be reported and explained with reasons to the D.G.T.D. The firm shall also furnish a Bank Certificate to export in the proforma reproduced in Annexure-I to Appendix XV-D of the Hand Book of Procedures, 1988-91.
- (ix) The firm shall furnish a report within 30 days of the close of each financial year to the concerned regional licensing authorities with a copy to the D.G.T.D., giving information about production, exports, average value of exports during the preceding year certified by a Chartered Accountant. The DGTD shall verify whether the annual report is consistent with the advance production plan, the six monthly reports and the capacity of the imported machinery. The DGTD would then endorse the annual return furnished by the importing firm to the Regional Licensing Authority. On receipt of the report of the DGTD, the licensing authority would finalise the export obligation account for the year and take further necessary action.
- (x) The export shall be to a place outside India (except to any place in Nepal or Afghanistan if not paid in free foreign exchange and Bhutan).
- (xi) Applications for licence will be submitted as per the provisions contained in Para 164 of the Hand Book of Procedures, 1988-91 and licence would be issued after the approval of the concerned C.G. Committee.

3. At the time of clearance of the goods, the tending importer shall produce to the Assistant collector of Customs, a certificate issued by an Officer of lower in rank than a Joint Chief Controller of Imports & Exports to the effect that the importer has executed an indemnity-cum-guarantee bond as per Annexure 'A' to this Public Notice with the Regional licensing Authority concerned undertaking to export auto-tyres to the extent of 20 times the c.i.f. value of the building drums and presses proposed to be imported, within a period of five years from the date of clearance of the imported machinery.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller  
of Imports and Exports

NNEXURE to Ministry of Commerce Public Notice  
No. 123-ITC(PN)/88-91 Dated 15-5-89

INDEMNITY-CUM-GUARANTEE BOND FORM  
TO BE EXECUTED FOR IMPORTS OF SECOND  
HAND DRUMS AND PRESSES FOR EXPORT  
PRODUCTION OF AUTO-TYRES.

To be executed by the importer and guaranter bank which should be a nationalised bank on a non-judicial Stamp Paper of Rs. 15 in Union Territory of Delhi or of value prescribed by Stamp Collector of respective State).

KNOW ALL MEN BY THIS PRESENT THAT I/We \_\_\_\_\_ (full name of the Importer/Importer firm/company with complete address as per the instruction given below) (hereinafter referred to as the 'Importer'/'Importers' which expression shall unless excluded by or repugnant to the context to be deemed to include his heirs, successors, its successor in interest, administrator and representatives)\* and \_\_\_\_\_ (full name of the Guaranter Bank with complete address of the Office of Branch from which the Guarantee Bond is being executed) (hereinafter referred as the 'Guaranter' which expression shall unless excluded by or repugnant to the context to be deemed to include its successor in interest, administrator and assigns) are jointly and severally held and bound to the President of India and acting through the Chief Controller of Imports & Exports, Ministry of Commerce (hereinafter called the 'Government' which expression shall unless excluded by or repugnant to the context be deemed to include his successor in office, representatives and assigns) for the sum of Rs. \_\_\_\_\_ (State in words also) only to be paid to the Government on demand and without demur for which payment we bind myself/ourselves and my/our respective successors/successor in interest (as the case may be) and assigns by these presents.

Signed this the \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ in the year One thousand nine hundred and \_\_\_\_\_ Whereas the Government have granted permission for import against Import Licence No. \_\_\_\_\_ Dated \_\_\_\_\_ (description of the item).

\*To be filled up as per instructions given in note II below.

2. AND WHEREAS the Government of India in the Ministry of Commerce vide Import Trade Control Public Notice No. 123-ITC(PN)/88-91 dated 15-5-89 (hereinafter referred to as the 'Public Notice') provides for import of second hand drums & presses as stipulated therein on the undertaking of the importer to export auto-tyres of twenty times the c.i.f. value of the plant and equipment which is to be imported within a period of five years from the date of import of the goods.

3. AND WHEREAS the aforesaid Public Notice, inter-alia provides that the importer will execute a bond specified in this regard by the Chief Controller of Imports and Exports binding the importer to fulfil the export obligations stipulated in the aforesaid Public Notice.

4. AND WHEREAS the importer has agreed to fulfil the export obligation as mentioned above and has agreed to furnish an Indemnity-cum-guarantee bond in consideration of the permission to import in terms of aforesaid Ministry of Commerce Public Notice.

5. AND WHEREAS the Guaranter has agreed and undertaken to guarantee payment of the guaranteed amount in consideration of the Government's agreeing to issue the above permission.

# 6. NOW THIS PRESENT WITNESSES AS FOLLOWS :

The importer does hereby covenant with the Government as follows :—

- (a) That the importer/importers shall comply with the conditions of the aforesaid permission as well as all other terms and conditions specified in the aforesaid Public Notice and also such conditions as are imposed by Collector of Customs and the Chief Controller of Imports and Exports while allowing clearance of goods, to the full satisfaction of the Chief Controller of Imports and Exports.
- (b) The Bank Guarantee will be liable to be forfeited in full or equivalent to the shortfall if the importer fails to fulfil the export obligation in terms of the aforesaid Notification, and to the full satisfaction of the Government, the decision of the Government about such satisfaction would be final and binding.
- (c) That the importer further agrees and undertakes in the event of importer's default in fulfilling the obligation as set out above, the importer would be liable to the Government for cost of all legal action to be instituted against them for confiscation of the imported material and other rights available to the Government under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (as amended), and other procedures and rules formulated by the Government relating to the said import. The importer further agrees that the confiscation proceedings may be initiated by the Government at any time before or after the stipulated period for the fulfilment of export obligation.
- (d) That the importer further agrees and undertakes that importer would be liable to action taken for recovery of Customs or other duties, penalties and interest etc. thereon under provision of the Customs Act, 1962 and relevant Finance Act, and the Customs Tariff Act, 1975 as amended upto date.
- (e) That the Importer shall faithfully comply with all the obligation; under the terms and

conditions governing import and other stipulation including the stipulations specified in the Government of India, Ministry of Commerce Public Notice No. 123-ITC (PN)/88—91 dated 15-5-1989.

# 7. The Guarantor Bank covenants with the Government as follows :—

- (i) That the Guarantor Bank do hereby expressly and irrevocably undertakes and guarantees that if the importer fails to fulfil the whole or part of the export obligations including the conditions stipulated in the said Public Notice and conditions governing imports to the full satisfaction of the Government (the decision of the Government in this regard shall be final and binding) or if the importer is not able to furnish any information required under the terms and condition of the licence and the Imports & Exports (Control) Act, 1947 and Imports (Control) Order, 1955 as amended or any other rules framed thereunder or if there is any other failure of any kind whatsoever on the part of the importer under the terms specified in the licence etc. whereby the said amount be demanded by the Government in whole or in part for any reason whatsoever and on the written demand of the Government we the Guarantor Bank shall, without any demur or without reference to the importer, pay to the Government or to any officer authorised by the Government in this behalf, any sum demanded by the Government from the Importer and also expressly and irrevocably undertake to indemnify to guarantee the payment upto a maximum of Rs.———.
- (ii) That notwithstanding any right, Government may have directly against the importer, or notwithstanding any dispute raised by the Importer in any form, the Government's written demand to the Guarantor shall state necessary details to the Guarantor Bank that the payment is demanded from the Guarantor Bank under the terms and conditions of the aforesaid licence etc. including the terms specified herein above and such above demand by the Government shall be final and binding upon Guarantor Bank.
- (iii) That the Guarantor Bank, shall not be discharged or released from this undertaking

and the guarantee by any arrangement, variations between the Government and the Importer, any indulgence to the Importer by the Government with or without the consent or knowledge or any alteration in the obligation of the Importer, or any forbearance whether as to payment, time, performance or otherwise.

- (iv) That this Guarantee by the Guarantor Bank shall remain valid and in full force until all the obligations under the aforesaid licence including the terms specified above are duly accomplished to the full satisfaction of the Government, which satisfaction shall be final and is agreed to be binding on Importer and Guarantor, and till the said satisfaction is reported by the Government to the Guarantor Bank.

8. It is jointly and severally declared by the Importer and the Guarantor Bank.

- (i) That the importer agrees and undertakes to abide by all the penal provisions of the Imports and Export Policy|Hand Book of Procedures, applicable on the date of imports of machinery under the aforesaid licence and the date upto which export obligation is to be completed, as also under the Imports & Exports (Control) Act, 1947 and Rules framed thereunder to be invoked against them in case of default as may be decided by the Government, which decision shall be final and binding on the Importer and Guarantor.
- (ii) That the above named Indemnity Bond by the Importer and the Guarantee by the Guarantor Bank shall be continuing Indemnity-cum-Guarantee and shall not be discharged by any change in the constitution of the importer or of the Guarantor Bank. It is further indemnified by this Indemnity-cum-Guarantee Bond by the Importer and Guarantor Bank that the Payment by the Guarantor Bank to the Government under this Indemnity-cum-Guarantee Bond shall be made forthwith on the receipt of the written demand of the Government or any

officer authorised by the Government in this behalf.

- (iii) That this Indemnity-cum-Guarantee Bond is executed by the above named Importer and the Guarantor Bank for the purpose of the act involving public interest.
- (iv) That the payment of the amount demanded by the Government in the above named Indemnity-cum-Guarantee Bond from the Guarantor Bank shall not relieve or discharge the importer|importers from him|their liability to any other action including the initiation of legal providings for confiscation of the imported material and refusal of further licence(s) and all other liabilities and penalties and the consequences under the provisions of the Imports & Exports (Control) Act, 1947, Imports (Control) Order, 1955 as amended that may be decided by the Government under the Import Trade Control Regulations and provisions of Customs Act, 1962.
- (v) Now the condition of the above written Indemnity-cum-Guarantee Bond is such that if all the obligations to be performed by the Importer and the Guarantor Bank hereunder are fulfilled to the full and final satisfaction of the Government as specified above, then the above written Indemnity-cum-Guarantee Bond shall be void and of no effort otherwise the same shall be and remain in full force and virtue.
- (vi) Provided, however, notwithstanding anything hereinbefore contained, it is hereby agreed and declared that the above Indemnity-cum-Guarantee Bond shall remain in full force for a period of 6(six) years from the date of importation of the said imported goods if all the obligations of the importer|importers are not discharged to the full and final satisfaction of the Government within the said period of six years then the Guarantor Bank and the Importer shall execute a fresh Indemnity-cum-Guarantee Bond for such further period as may be required by the Government.

9. In witness whereof the above named parties hereto have duly executed this bond on the----- day, month and year stated above, signed, sealed and delivered by the above named Importer and the Guarantor Bank in the presence of :—

Witnesses \*

1. ....
2. ....
1. ....
2. ....

1.----- (full and expanded description of the importer/importer firm) to be authenticated/affirmed by 1st class Magistrate/Notary Public.

2.----- (Full and expanded description of the Guarantor Bank) for and on behalf of the Guarantor Bank by authorised Officer with Seal of the Bank.

\*witnesses should also give their occupation and full address.

For the Importer and the Bank.

Note—I

1. If the Importer is a sole proprietary firm the Indemnity-cum-Guarantee Bond is to be executed by the sole proprietor of the

said sole proprietary firm alongwith his permanent complete postal address and by the authorised officer of the Nationalised Bank affixed with the seal of the Bank.

2. If the Importer is partnership firm the Indemnity-cum-Guarantee Bond is to be executed in the name of the partnership firm through the partners or managing partners as may be specified in the partnership deed, and the Authorised Officer of the Bank as above.

3. If the Importer is a limited company, the Indemnity-cum-Guarantee Bond should be executed by the Executive Director of Managing Director of the Limited Company with the seal of the Company, and the Authorised Officer of the Bank as specified in Note No. 1 above.

Note—II

If the importer is a corporate body, the expression "his heirs, successors, its successors in interest, administrator and representatives" appearing in the opening paragraph to be substituted by the following :—

"their heirs, successors, their successor in interest, administrator and representatives."